चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28-12-23	5	1-4

सामुदायिक विज्ञान शिक्षा

एचएयू में चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित की गई राष्ट्रीय संगोष्ठी

परिवार, समाज व संसाधनों के बीच तालमेल जरूरी : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि अगले दशक में देश में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच तालमेल स्थापित करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि रहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रहीं।

एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद वक्ता। संवाद

लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी मौजूद रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य बेहतर है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने कहा कि बदलते समय के साथ नवाचारों, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए।

मोदीपुरम के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मिंग सिस्टम रिसर्च से वैज्ञानिक डॉ. निशा वर्मा ने समुदाय आधारित हस्तक्षेप के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उभरते उपकरण और तकनीकें विषय और नई दिल्ली के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. प्रेमलता ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषय पर अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	28.12.23	12	3-8

कार्यक्रम | हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बुधवार को विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार रखते हुए कही। मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही।

हिसार। राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित छात्राओं व शिक्षाविदें को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो :हरिभूमि

मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लडना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने सभी का स्वागत किया। शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की प्रभारी एवं कार्यक्रम की समन्यवक डॉ. बीना यादव ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के तहत विभिन्न विषयों पर होने वाले तकनीकी सत्रों, गतिविधियों, कार्यों व रूपरेखा के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पहले कुछ सीखने की ललक जगाएं: कुलपति

कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जगाएं और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उज्जवल है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने साकारात्मक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण, आर्थिक व समाज को सामुदायिक विज्ञान विषय की अहम कड़ी बताते हुए कहा कि यदि किसी समाज का उत्थान करना है तो बदलते समय के साथ नवाचारों, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-12-23	4	5-6

मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी : कुलपति

हिसार, 27 दिसम्बर (ब्यूरो): अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही।

दीप प्रज्जवलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि बदलते समय के साथ जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा बढ़ा है, वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़ रही है। यदि समय रहते उन्होंने भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28-12-23	5	1-5

मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना ज़रूरी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हिसार, 27 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा : चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोबिंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 साल पूरे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान एक अंतर विषयक क्षेत्र है, जिसमें परिधान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि,

हकृवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

सामाजिक और पर्यावरण विज्ञान, कला, मानविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा बढ़ा है वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़ रही है। इनका निवारण सामुदायिक विज्ञान विषय में है, जोकि व्यक्ति अपने परिवार, समुदाय एवं संसाधनों के साथ गतिशील संबंधों के महत्व पर आधारित है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जगाएं और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने साकारात्मक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। साथ ही मंच संचालन डॉ. मंजू दहिया ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.12.23	3	4-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई। डॉ. प्रवेश अंतिल टीम के कप्तान होंगे। कोच सह छात्र कल्याण निदेशक खेल डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे। जबकि सह निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। गत वर्ष प्रतियोगिता की मेजबानी करते हुए हकृवि की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैंपियनशिप अपने नाम की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28-12-23	4	7-8

टी-20 टूर्नामेंट के लिए एचएयू की टीम रवाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हुई। डॉ. प्रवेश अंतिल टीम के कप्तान होंगे। सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ बतौर कोच और सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव बतौर मैनेजर टीम के साथ रहेंगे। प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज से भेंट की। कुलपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम 3 बार चैंपियन रह चुकी है। गत वर्ष अपनी मेजबानी में एचएयू की टीम विजेता बनी थी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28-12-23	4	6-7

हकृवि की टीम टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने को नागपुर रवाना

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ टीम के खिलाड़ी व अन्य अधिकारी। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय नागपुर 19वें आल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डा. प्रवेश अंतिल इस टीम के कप्तान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डा. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे जबकि सह निदेशक (विस्तार) डा. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डा. सुशील लेगा, गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के प्रधान दिनेश राड, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह मौजूद रहे।

ये है क्रिकेट टीम में शामिल सदस्य : दिनेश कुमार, डा. संजय, डा. दिनेश कुमार, डा. प्रवेश अंतिल, प्रताप कुमार, डा. अमोघवर्षा, नितम कुमार दीपक कुमार, नरेश नरवाल, डा. विजय अहलावत नवदीप, सूरज सिंह, सुनील सिवाच, कुलदीप सिंह है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28-12-23	11	6-8

हकृवि की टीम ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामैंट में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना

हकृवि की टीम 3 बार बन चुकी है चैम्पियन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ टीम के खिलाड़ी व अन्य अधिकारी।

हिसार, 27 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामैंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डॉ. प्रवेश अंतिल इस टीम के कप्तान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे जबकि सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से भेंट की। कुलपति ने टीम को जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम 3 बार चैंपियन रह चुकी है और गत वर्ष हकृवि विश्वविद्यालय को इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिला था। इस प्रतियोगिता में हकृवि की टीम ने शानदान प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैंपियनशिप अपने नाम की। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से कर्मचारियों में खेल की भावना को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय कर्मचारियों में खेलों के प्रति रूझान बढ़ने से वे शारीरिक तौर पर फिट रहेंगे व अपने कार्य का निर्वाह अच्छे ढंग से कर सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह सहित अधिकारीगण व टीम के सदस्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28-12-23	6	6-8

प्याज की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह में करें, आलू को चेपा से बचाएं, टमाटर की पौध को पॉलीथिन से ढकें

खेत की नियमित सिंचाई करें, हानिकारक कीटों और बीमारियों से रक्षा करें

भास्कर न्यूज | हिसार

प्याज की पौध दिसंबर में तैयार हो जाती है। इसलिए समय से खेत को तैयार करें। रोपाई का सबसे अच्छा समय दिसंबर के आखिरी सप्ताह से जनवरी का प्रथम सप्ताह है। रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई अवश्य करें। इस मौसम में आलू को चेपा रोग हो सकता है। इसके अलावा टमाटर की पौध को भी ठंड से बचाने के लिए पॉलीथिन से ढकना जरूरी है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आलू की फसल के लिए 1 एकड़ खेत में लगभग 20 टन गोबर की सड़ी खाद डालकर जुताई करें। रोपाई से पहले प्रति एकड़ 25 किलोग्राम नाइट्रोजन (55 किलोग्राम यूरिया खाद), 20 किलोग्राम फास्फोरस (120 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) तथा 10 किलोग्राम पोटाश (16 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश) खेत में दें। आलू की अंच्छी फसल लेने के लिए खेत की नियमित सिंचाई करें और हानिकारक कीटों व बीमारियों से रक्षा करें। हानिकारक कीटों, मुख्यतः चेपा से बचाव के लिए प्रति एकड़ फसल पर 300 मिली रोगोर 30 ईसी को 200-300 लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अंतर पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें। ध्यान रखें कि आलू की खुदाई से कम से कम तीन सप्ताह पूर्व दवाओं का प्रयोग बंद कर दें। इन कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से विषाणु रोग पर भी नियंत्रण हो जाएगा क्योंकि ये कीट ही इस बीमारी को फैलाते हैं। विषाणु रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें, यदि कच्ची फसल निकालनी हो तो 70-75 दिनों पर निकालें तथा बाजार में बेचने के लिए भेजें।

आलू की फसल का फाइल फोटो।

इस माह टमाटर की दूसरी बिजाई कर सकते हैं किसान

डॉ. एसके तिहलन के अनुसार टमाटर की दूसरी बिजाई के लिए यह महीना सही है। बिजाई से पहले 2.5 ग्राम कैप्टान या थाइरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज का उपचार करें। कम तापमान होने के कारण अंकुरण और पौध की बढ़वार धीमी होगी। जल्दी अंकुरण तथा पौध को पाले से बचाने के लिए नर्सरी को रात में पॉलीथीन की शीट से ढक कर रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.12.2023	--	--

देश-प्रदेश

हिसार, बुधवार, 27 दिसंबर 2023 | 04

हकृवि की टीम ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए नागपुर रवाना

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की टीम 3 बार बन चुकी है चैंपियन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ टीम के खिलाड़ी व अन्य अधिकारी।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों की क्रिकेट टीम राष्ट्र संत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर 19वें ऑल इंडिया वाइस चांसलर क्रिकेट कप टी-20 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। डॉ. प्रवेश अतिल इस टीम के कप्तान होंगे। कोच के रूप में सह छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर टीम के साथ रहेंगे जबकि सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव टीम के मैनेजर होंगे। इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 29 टीमें हिस्सा लेंगी। उपरोक्त टीम ने नागपुर के लिए रवाना होने से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज से भेंट की। कुलपति ने टीम को जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम 3 बार चैंपियन रह चुकी है और गत वर्ष हकृवि विश्वविद्यालय को इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिला था।

इस प्रतियोगिता में हकृवि की टीम ने शानदान प्रदर्शन करते हुए टी-20 चैंपियनशिप अपने नाम की। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से कर्मचारियों में खेल की भावना को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय कर्मचारियों में खेलों के प्रति रूझान बढ़ने से वे शारीरिक तौर पर फिट रहेंगे व अपने कार्य का निर्वाह अच्छे ढंग से कर सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुशील लेगा, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह सहित अधिकारीगण व टीम के सदस्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.12.2023	--	--

हकृवि में स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा - चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित छात्राओं व शिक्षाविदें को संबोधित करते हुए कुलपति।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 साल पूरे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान एक अंतर विषयक क्षेत्र है, जिसमें परिधान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि, सामाजिक और पर्यावरण विज्ञान, कला, मानविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जैसे-जैसे परिवार व समाज का दायरा बढ़ा है वैसे-वैसे चुनौतियां भी बढ़ रही है। इनका निवारण सामुदायिक विज्ञान विषय में है, जोकि व्यक्ति अपने परिवार, समुदाय एवं संसाधनों के साथ गतिशील संबंधों के महत्व पर आधारित है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने भीतर अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लडना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक जगाएं और फिर उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें।

मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उज्जवल है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, घटते प्राकृतिक संसाधनों, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही है, जिनके लिए छात्राओं को अपने अंदर कौशल विकास व ज्ञानवर्धन करने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाथ बॉन्ड	27.12.2023	--	--

हकृवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

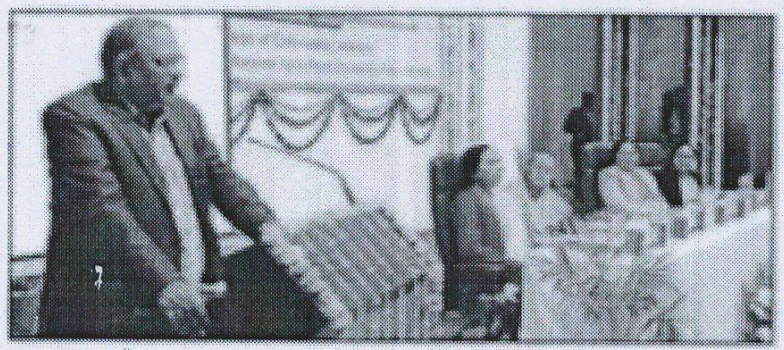

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	27.12.2023	--	--

मनुष्य को परिवार, समाज व संसाधनों में सामंजस्य बैठाना जरूरी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 27 दिसंबर। अगले दशक में भारत में युवाओं की आबादी दुनिया में सबसे अधिक होगी। यदि देश का उत्थान करना है तो युवाओं को परिवार, समाज व संसाधनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इसके लिए उन्हें समय के साथ-साथ अपने ज्ञान, नवाचारों व कौशल में विकास करना चाहिए। तभी हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो पाएगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने आज विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर सामुदायिक विज्ञान शिक्षा - चुनौतियां एवं अवसर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में पंतनगर के गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. रीटा रघुवंशी उपस्थित रही, जबकि लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ होम साइंस की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी उपस्थित रही। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के 50 साल पूरे करने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सामुदायिक विज्ञान एक अंतर विषयक क्षेत्र है, जिसमें परिधान और वस्त्र विज्ञान, खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन, उपभोक्ता प्रबंधन के साथ-साथ भौतिकी, जैविक, कृषि, सामाजिक और पर्यावरण विज्ञान, कला, मानविकी और प्रबंधन विषयों का संयुक्त रूप से ज्ञान है। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ाए जा रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। मुख्य वक्ता डॉ. रीटा रघुवंशी ने उपस्थित छात्राओं को सामुदायिक विज्ञान एवं सतत विकास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में सामुदायिक विज्ञान का भविष्य उज्जवल है। छात्राओं को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी

विषयों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है, जोकि आने वाले समय की मांग है। वक्ता डॉ. जतिंदर कौर गुलाटी ने सांकेतात्मक युवा विकास विषय के पहलुओं पर छात्राओं से चर्चा की। उन्होंने पर्यावरण, आर्थिक व समाज को सामुदायिक विज्ञान विषय की अहम कड़ी बताते हुए कहा कि यदि किसी समाज का उत्थान करना है तो बदलते समय के साथ नवाचारों, ज्ञान और कौशल में विकास करना चाहिए। इसके अलावा मोदीपुरम के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मिंग सिस्टमस रिसर्च से वैज्ञानिक डॉ. निशा वर्मा ने समुदाय आधारित हस्तक्षेपों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उभरते उपकरण और तकनीकें विषय और नई दिल्ली के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. प्रेमलता ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास विषय पर अपने व्याख्यान दिए। उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने सभी का स्वागत किया। शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की प्रभारी एवं कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. बीना यादव ने विभिन्न विषयों पर होने वाले तकनीकी सत्रों, गतिविधियों, कार्यों व रूपरेखा के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल सिंधु ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। साथ ही मंच संचालन डॉ. मंजू दहिया ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व छात्राएं उपस्थित रही।